

दोहरा १४४

माणिकज्योती हरि किरण रुचि मनोहर ब्रह्मांड । नामरूप अनंत
हो, एकहि चिन्मार्ताण्ड । सिंहमहिपति मुक्तकुलजन भासक
चिन्मार्ताण्ड ॥१॥